लिंग (Gender)

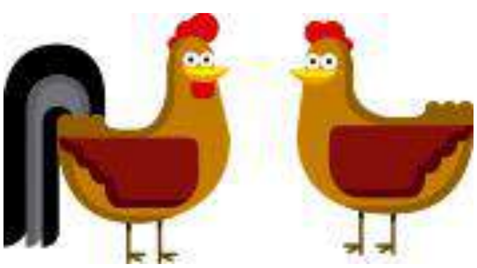

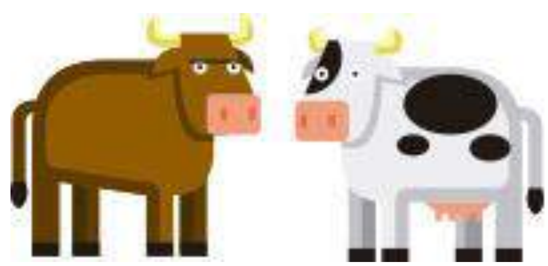

लिंग

परिभाषा जिस संज्ञा शब्द से यह बोध होता हो कि शब्द पुरुष जाति का है अथवा स्त्री जाति का वह लिंग कहलाता है। जैसे - लड़का, लड़की, दादा, दादी आदि। इनमें 'लड़का' और 'दादा ' पुल्लिंग तथा 'लड़की' और 'दादी' स्त्रीलिंग हैं।

लिंग के दो भेद हैं -

1. पुल्लिंग (Masculine Gender)
2. स्त्रीलिंग(Feminine Gender)

1. पुल्लिंग

जिन संज्ञा शब्दों से पुरुष जाति का बोध हो उन्हें पुल्लिंग कहते हैं। जैसे-लड़का,सिंह,आम आदि।

2. स्त्रीलिंग

जिन संज्ञा शब्दों से स्त्री जाति का बोध हो उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं।जैसे-लड़की,कटोरी,नारी आदि।

पुल्लिंग की पहचान

पुल्लिंग	उदाहरण
1. हिंदी में वे शब्द जो अकारान्त हैं	फल, ग्रंथ, जल आदि। अपवाद - पुस्तक
2. प्राणियों में मनुष्य व बड़े पशु में नर	आदमी, घोडा, कुत्ता आदि।
3. आ, आव, पा, पन न ये प्रत्यय जिन शब्दों के अंत में हों	छोटा, चढ़ाव, बुढ़ापा, लेन-देन
4. पर्वत, मास, वार और कुछ ग्रहों के नाम	हिमालय, वैशाख, सूर्य, बुध, केतु।(ग्रह)
5. पेड़ों के नाम	नीम, जामुन, बरगद आम आदि।
6. अनाजों के नाम	चावल, बाजरा, गेहूँ, जौ आदि।
7. द्रव्य पदार्थों के नाम	पानी, घी, तेल सोना, ताँबा आदि।
8. रत्नों के नाम	हीरा, पन्ना, मोती आदि।
9. देह के अवयवों के नाम	मस्तक, दाँत, मुख, कान, गला, हाथ, पाँव, आदि।
10. जल, स्थान और भूमंडल के भागों के नाम	समुद्र, भारत, नगर, द्वीप, आकाश, घर, सरोवर आदि।
11. वर्णमाला के अनेक अक्षरों के नाम	अ, उ, ए, ओ, क, ख, ग, घ, च, छ, य, र, ल, व, श आदि।

स्त्रीलिंग की पहचान

स्त्रीलिंग	उदाहरण
1. जिन संज्ञा शब्दों के अंत में आ, इ, उ होते है	माया, रेखा, गति, मति, रेणु आदि।
2. जिन संज्ञा शब्दों के अंत में ख होते है	चोख, राख, भूख, लाख आदि।
3. जिन भाववाचक संज्ञाओं के अंत में ट, वट, या हट होता है	बनावट, सजावट आदि।
4. अनुस्वारांत, ईकारांत, ऊकारांत, तकारांत, सकारांत संज्ञाएँ	नदी, चिट्ठी, उदासी, रात, भीत, बालू, दारू, सरसों, प्यास, साँस आदि।

5. भाषा, बोली और लिपियों के नाम	हिन्दी, संस्कृत, देवनागरी आदि।
6. जिन शब्दों के अंत में इया आता है	खटिया, चिड़िया आदि।
7. नदियों के नाम	गोदावरी, सरस्वती, गंगा, यमुना आदि।
8. तारीखों और तिथियों के नाम	पहली, दूसरी, पूर्णिमा आदि।
9. नक्षत्रों के नाम	अश्विनी, भरणी, रोहिणी आदि।
10. कृदन्त की अकारान्त संज्ञाएँ	मार, पुकार, दौड़ आदि। अपवाद - नाच, खेल, मेल, बिगार।

1. शब्दों का लिंग-परिवर्तन

अकारान्त व आकारान्त पुल्लिंग संज्ञा से स्त्रीलिंग संज्ञा बनाने का नियम - 'अ, आ' के स्थान पर 'ई'

प्रत्यय	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
ई	दास	दासी
	देव	देवी
	बच्चा	बच्ची
	मुरगा	मुरगी
	ब्राह्मण	ब्राह्मणी
	नर	नारी
	दादा	दादी
	लड़का	लड़की

2. पुल्लिंग संज्ञा शब्दों के अंत में 'आ' के स्थान पर 'इया' जोड़कर स्त्रीलिंग संज्ञा बनाना -

प्रत्यय	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
इया	बंदर	बंदरिया
	बछड़ा	बछिया
	गुड्डा	गुड़िया
	लोटा	लुटिया
	चूहा	चुहिया

	चिड़ा	चिड़िया
	बेटा	बिटिया

3. वर्ण व व्यवसाय सूचक शब्दों के अंत में 'आ' के स्थान पर 'इन' जोड़कर स्त्रीलिंग संज्ञा बनाना -

प्रत्यय	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**
इन	माली	मालिन
	ग्वाला	ग्वालिन
	सुनार	सुनारिन
	लुहार	लुहारिन
	धोबी	धोबिन

4. कतिपय प्राणीवाचक अकारान्त पुल्लिंगशब्दों के अंत में 'नी' जोड़कर स्त्रीलिंग संज्ञा बनाना -

प्रत्यय	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**
नी	मोर	मोरनी
	हाथी	हाथिन
	सिंह	सिंहनी

5. पुल्लिंग संज्ञा शब्दों के अंत में के स्थान पर 'आनी / आणी' प्रत्यय जोड़कर स्त्रीलिंग संज्ञा बनाना -

प्रत्यय	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**
आनी / आणी	नौकर	नौकरानी
	चौधरी	चौधरानी
	मेहतर	मेहतरानी
	सेठ	सेठानी
	जेठ	जेठानी
	इंद्र	इंद्राणी

6. वर्ण व व्यवसाय सूचक शब्दों के अंत में 'आइन' जोड़कर स्त्रीलिंग संज्ञा बनाना -

प्रत्यय	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
आइन	पंडित	पंडिताइन
	हलवाई	हलवाइन
	चौबे	चौबाइन
	ठाकुर	ठाकुराइन

7. कुछ आकारान्त पुल्लिंगशब्दों के अंतिम 'अ' के स्थान पर 'आ' जोड़कर स्त्रीलिंग संज्ञा बनाना -

प्रत्यय	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
आ	बाल	बाला
	कांत	कांता
	छात्र	छात्रा
	महोदय	महोदय

8. कुछ पुल्लिंगसंज्ञा शब्दों के अंत में 'अक' के स्थान पर 'इका' जोड़कर स्त्रीलिंग संज्ञा बनाना -

प्रत्यय	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
अक को इका करके	पाठक	पाठिका
	अध्यापक	अध्यापिका
	बालक	बालिका
	साधक	साधिका
	निवेदक	निवेदका
	लेखक	लेखिका
	सेवक	सेविका

9. कुछ पुल्लिंगसंज्ञा शब्दों के अंत में 'इनी' जोड़कर स्त्रीलिंग संज्ञा बनाना -

प्रत्यय	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
इनी	तपस्वी	तपस्विनी
	हंस	हंसिनी
	हितकारी	हितकारिनी
	स्वामी	स्वामिनी

10. कुछ विशेष शब्द जो स्त्रीलिंग में बिलकुल ही बदल जाते हैं।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
पिता	माता
भाई	भाभी
नर	मादा
राजा	रानी
कवि	कवयित्री
वर	वधू
मियाँ	बीबी
बैल	गाय
युवक	युवती
ससुर	सास
सम्राट	सम्राज्ञी
पुरुष	स्त्री

11.जो प्राणिवाचक शब्द सदा ही स्त्रीलिंग हैं अथवा जो सदा ही पुल्लिंग हैं उनके लिंग जताने के लिए उनके साथ 'नर' व 'मादा' शब्द लगा देते हैं। जैसे -

स्त्रीलिंग	पुल्लिंग
गिलहरी	नर गिलहरी
मैना	नर मैना
तितली	नर तितली

मक्खी	नर मक्खी
कोयल	नर कोयल
चील	नर चील
कछुआ	नर कछुआ
कौआ	नर कौआ
मादा भेड़िया	भेड़िया
मादा उल्लू	उल्लू
मादा बाज	बाज
मादा खटमल	खटमल

वाक्य - प्रयोग द्वारा लिंग-निर्णय

वाक्य में प्रयोग कर के क्रियापद द्वारा शब्द के लिंग की पहचान की जा सकती है।

उदाहरण :

1. बैल - (पु.) बैल घास खाता है।
2. भिखारिन - (स्त्री.) भिखारिन बैठी है।
3. इजाजत - (स्त्री.) मुझे उनकी इजाजत लेनी होगी।
4. फसल - (स्त्री.) इस बार अच्छी फसल हुई।
5. बादल - (पु.) बादल गरज रहा है।

पुल्लिंग -स्त्रीलिंग की पहचान के सरल उपाय

नियम -जिस संज्ञा शब्द का लिंग ज्ञात करना हो उसे बहुवचन में बदल दीजिये ।

बहुवचन शब्द के अंत में यदि 'ए'या 'आ'आए तो वह शब्द पुल्लिंग है ।

यदि बहुवचन शब्द के अंत में ऍ अथवा आँ आए तो वह शब्द स्त्रीलिंग है ।

यदि बहुवचन और एकवचन में शब्द समान ही बना रहता है तो वह शब्द पुल्लिंग ही होगा ।

वचन (Numbers)

परिभाषा - शब्द का जो रूप व्यक्ति, प्राणी या वस्तु का एक अथवा अनेक होने का बोध कराते है, उसे वचन कहते हैं।

हिन्दी में वचन दो होते हैं-

1. एकवचन (Singular)

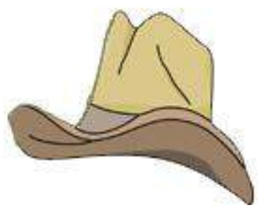

2 बहुवचन (Plural)

एकवचन

शब्द का जो रूप एक ही व्यक्ति, प्राणी या वस्तु का बोध कराते है, उसे एकवचन कहते हैं।

उदाहरण -

लड़का लड़की गाय पुस्तक

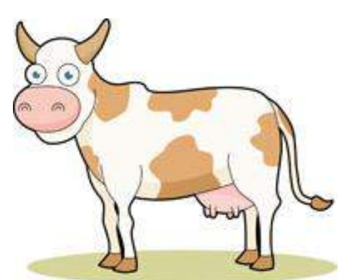

बहुवचन

शब्द का जो रूप अनेकता का बोध कराते है, उसे बहुवचन कहते हैं।

लड़के लड़कियाँ गायें पुस्तकें

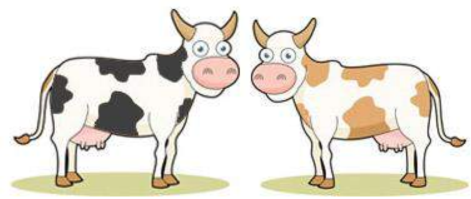

वचन की पहचान

1. वाक्य में आए संज्ञा शब्दों के प्रयोग द्वारा-

उदाहरण :

लड़का खाना खा रहा है। संज्ञा - एकवचन

लड़के खाना खा रहे है। संज्ञा - बहुवचन

2. वाक्य में आए सर्वनाम शब्दों के प्रयोग द्वारा-

उदाहरण :

मैं खाना खा रहा हूँ। सर्वनाम एकवचन

हम खाना खा रहा हूँ। सर्वनाम बहुवचन

3. वाक्य में आए विशेषण शब्दों के प्रयोग द्वारा-

उदाहरण :

वह मोटा आदमी इधर आ रहा है। विशेषण - एकवचन

वे मोटे आदमी इधर आ रहा है। विशेषण - बहुवचन

वचन संबंधी महत्वपूर्ण नियम

1. आदर प्रकट करने के लिए भी बहुवचन का प्रयोग होता है।

   उदाहरण :

   1) पिता जी मथुरा जा रहे हैं।

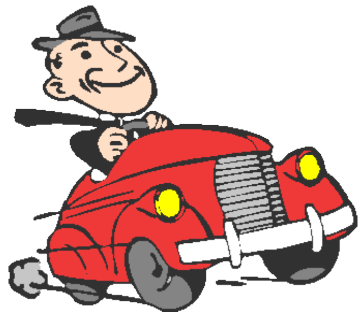

   2) गुरुजी पढ़ा रहे हैं।

2. बड़प्पन दर्शाने के लिए भी कुछ लोग बहुवचन का प्रयोग करते हैं।

   उदाहरण :

   मैं दिल्ली जा रहा हूँ। - एकवचन

हम दिल्ली जा रहे हैं। - बहुवचन

3. कुछ शब्द हमेंशा बहुवचन रुप में ही प्रयुक्त होते है। -
उदाहरण : हस्ताक्षर, केश, रोम, अश्रु, प्राण, दर्शन, लोग, दर्शक, समाचार, दाम, होश आदि।

1) तुम्हारे केश बहुत लंबे हैं।

2) दीदी ने हस्ताक्षर कर दिए।

4. कुछ शब्द हमेंशा एकवचन रुप में ही प्रयुक्त होते है।

5. -

उदाहरण : पानी, जल, जनता, वर्ग, वृंद, दल, गण जाति आदि।

1) जनता अपना नेता चुनेंगी।

2) भारत की सेना जीत गई।

3) सोना महँगा है।

6. एकवचन के स्थान पर बहुवचन का प्रयोग

दोस्त तू कैसा है?

दोस्त तुम कैसे है?

बहुवचन बनाने के नियम

1. अकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों अंत में 'अ' के स्थान पर एँ लगाकर बहुवचन बनाने का नियम

एकवचन	बहुवचन
बहन	बहनें
बात	बातें
चादर	चादरें
शर्त	शर्तें
तस्वीर	तस्वीरें

2. 'आ' अंतवाले पुल्लिंग शब्दों में 'आ' का ए, करके बहुवचन बनाने का नियम -

एकवचन	बहुवचन
घोड़ा	घोड़े
गधा	गधे
पैसा	पैसे
छाता	छाते
पंखा	पंखे

3. आकारांत स्त्रीलिंग शब्दों के अंतिम 'आ' के आगे 'एँ' लगा देने से शब्द बहुवचन में बदल जाते हैं।

एकवचन	बहुवचन
लता	लताएँ
कविता	कविताएँ
परीक्षा	परीक्षाएँ
छात्रा	छात्राएँ
सभा	सभाएँ

4. इकारांत अथवा ईकारांत स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'याँ' लगा देने से और दीर्घ ई को ह्रस्व इ कर बहुवचन बनाने का नियम -

एकवचन	बहुवचन
लड़की	लड़कियाँ
नारी	नारियाँ
चाची	चाचियाँ
देवी	देवियाँ
सखी	सखियाँ

5. जिन स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'या' को 'याँ' कर बहुवचन बनाने का नियम -

एकवचन	बहुवचन
गुड़िया	गुड़ियाँ
चिड़िया	चिड़ियाँ
बिटिया	बिटियाँ
डिबिया	डिबियाँ
बछिया	बछियाँ

6. कुछ शब्दों में अंतिम उ, ऊ और औ के साथ 'एँ' जोड़कर और ऊ का 'उ' कर बहुवचन बनाने का नियम -

एकवचन बहुवचन

एकवचन	बहुवचन
ऋतु	ऋतुएँ
बहू	बहुएँ
धातु	धातुएँ
गौ	गौएँ
वस्तु	वस्तुएँ

7. कुछ शब्दों के अंत में दल, वृंद, वर्ग, जन, लोग, गण आदि शब्द जोड़कर बहुवचन बनाने का नियम -

एकवचन	बहुवचन
विद्यार्थी	विद्यार्थीगण
मित्र	मित्रवर्ग
गान	गानवृंद
लेखक	लेखकगण
मुनि	मुनिजन

8. संज्ञा शब्दों के बहुवचन रुप

एकवचन	बहुवचन
मैं	हम
तू	तुम
मेरा	हमारा
तेरा	तुम्हारा
पंखा	पंखे
यह	ये
वह	वे
उस	उन

9. कुछ शब्दों के रूप एकवचन और बहुवचन दोनों में समान होते हैं।

एकवचन	बहुवचन
जल	जल
पानी	पानी
राजा	राजा
क्रोध	क्रोध
क्षमा	क्षमा

विभक्ति चिहन या परसर्गो के साथ संज्ञा शब्दों के बहुवचन रुप

संज्ञा शब्दों का प्रयोग विभक्ति चिहन या परसर्गो के साथ प्रयोग करने पर उनके रुप में परिवर्तन आता है और विभक्ति- सहित बहुवचन पदो के अंत में ओं या योंप्रत्ययों का प्रयोग होता है।

पुल्लिंग शब्दों में

विभक्ति-रहित रुप		विभक्ति-सहित रुप	
एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
बालक	बालक	बालक से	बालकों से
कवि	कवि	कवि से	कवियों से
माली	माली	माली ने	मलियों ने
हाथी	हाथी	हाथी को	हाथियों को

स्त्रीलिंग शब्दों में

विभक्ति-रहित रुप		विभक्ति-सहित रुप	
एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
गौ	गौएँ	गौ को	गौओं को
माला	मालाएँ	कवि से	कवियों से
बहू	बहुएँ	बहू ने	बहुओं ने
लिपि	लिपियाँ	लिपि का	लिपिओं का

ध्यान देने योग्य

1.संज्ञा अथवा सर्वनाम से एकवचन अथवा बहुवचन की पहचान हो जाती है किन्तु जब इनसे वचन की ठीक -ठीक पहचान न हो तो क्रिया पद को देखकर पहचान हो जाती है

3. कुछ शब्द सदा बहुवचन में प्रयुक्त होते हैं जैसे - आँसू,बाल,प्राण ,दर्शन और हस्ताक्षर

4. कुछ शब्द सदा एक वचन में प्रयुक्त होते हैं जैसे -घी,वर्षा ,दूध ,सत्य ।

2 .जिन शब्दों के अंत में जाति, सेना, या दल शब्द प्रयुक्त होते हैं ,उनका प्रयोग भी एकवचन में किया जाता है ।

5.कुछ सम्बन्धसूचक संज्ञाए दोनों वचनों में समान रहती हैं जैसे मामा, दादा, पापा, चाचा आदि ।

6.धातुओं का बोध कराने वाली जातिवाचक संज्ञाएँ एकवचन में ही प्रयोग की जाती हैं जैसे सोना महंगा है, चाँदी सस्ती है ।